जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 | संख्याः 01 | प्रभात | चूरू, मंगलवार 29 अप्रैल, 2025 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

14 साल के वैभव ने 35 बॉल में शतक ठोका

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 28 अप्रैल को आईपीएल का 47 वां मैच गुजरात टाइटंस व राजस्थान रॉयल्स के बीच खेला गया, जिसमें 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के शतक की मदद से राजस्थान रॉयल्स को जीत मिली। चौदह साल के वैभव ने 17 गेंद पर पचास और 35 गेंद पर शतक लगा दिया। वे आईपीएल के इतिहास में सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने 18वें सीजन में सबसे कम गेंदों पर अर्धशतक भी बनाया और सबसे कम गेंदों पर शतक लगाने वाले भारतीय भी बने। **(विस्तृत समाचार खेल पृष्ठ पर)**

आईपीएल टिकटों की कालाबाज़ारी का मानवाधिकार आयोग ने प्रसंज्ञान लिया

जयपुर, 28 अप्रैल। राज्य मानवाधिकार आयोग ने एसएमएस स्टेडियम में आईपीएल मैच के टिकटों की कालाबाजारी को लेकर स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, आयोग ने मामले में पुलिस कमिश्नर से 30 अप्रैल तक तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने ये आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट पर प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। आयोग ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष का दायित्व बनता है कि वे मैच के टिकटों को पारदर्शी रूप

- **आयोग अध्यक्ष जस्टिस मूलचंदानी ने कहा, राजस्थान रॉयल्स का दायित्व बनता है कि मैच के टिकटों को पारदर्शी रूप में व्यवस्थित प्रक्रिया से विक्रय करें।**

से व्यवस्थित प्रक्रिया से विक्रय करते, जिससे क्रिकेट का लुत्फ उठाने वाले वास्तविक दर्शकों को टिकट उपलब्ध हो पाती।

आयोग ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के आयोजकों का दायित्व है कि जब वे राजस्थान शब्द का उपयोग अपनी टीम के लिए करते है तो इस बात का भी ध्यान रखें कि मैच के टिकटों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दर्शकों को उपलब्ध कराएं। आयोग ने आईपीएल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘संसद का विशेष सत्र बुलाने की जरुरत है’

विपक्ष ने सरकार पर दबाव बनाना शुरु किया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। कांग्रेस सहित पूरे विपक्ष ने कश्मीर के पहलगाम में हुये आतंकी हमले से निबटने के लिये सरकार को पूरा समर्थन देने का वचन दिया है, जिस हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की नृशंस हत्या कर दी गई थी। विपक्ष ने सरकार से कह दिया है कि सरकार जो भी कार्यवाही करना उचित समझती है, उसमें विपक्ष उसका पूरा सहयोग करेगा। वहीं, विपक्ष ने सरकार पर यह दबाव डालना भी शुरु कर दिया है कि वह संसद का आपातकालीन सत्र बुलाये, जिससे कि पहलगाम मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हो सके। संसद में सरकार विपक्ष के सभी प्रश्नों के उत्तर दे तथा बताये कि सरकार क्या कार्यवाही करने की योजना बना रही है।

कांग्रेस नेता तथा सांसद ने इस माँग को जारी रखते हुये कहा कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिये क्योंकि यह समय की आवश्यकता है।

इस माँग को आरजेडी के मनोज झा ने भी दोहराया है तथा सीपीआई ने भी सरकार को पत्र लिखकर संसद सत्र बुलाने की माँग की है।

कांग्रेस समान सोच वाले दलों से बात कर रही है तथा उनसे कह रही है कि वे इस मुद्दे को सरकार के समक्ष उठायें।

- **विपक्ष का तर्क है कि पहलगाम के आतंकी हमले का गहराई से मंथन करना चाहिए तथा विपक्ष यह जानना चाहेगा कि अब सरकार इस बारे में क्या कदम उठाने वाली है।**
- **विशेष सत्र की मांग की शुरुआत कांग्रेस नेता तारिक अनवर ने की। इसके बाद आरजेडी के सांसद मनोज झा ने मांग का समर्थन किया। सीपीआई ने भी एक पत्र लिख कर विशेष सत्र आहूत करने पर जोर दिया।**
- **फिलहाल, कांग्रेस में भी कुछ फुसफुसाहट इस बात को लेकर है कि इतनी जल्दबाजी क्यों दिखाई गई, मोदी सरकार को आतंकवादी हमले का सामना करने के लिये आँख बंद करके समर्थन देने की, और पार्टी नेतृत्व ने गृह मंत्री अमित शाह से इस्तीफे की मांग तक नहीं की तथा इस बात का भी खास विश्लेषण नहीं हुआ कि क्यों और कैसे सुरक्षा में चूक हुई।**
- **एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह भी कटाक्ष किया, कि क्या विपक्ष के रवैये में यह शिथिलता नैशनल हैरल्ड केस व रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ चल रही जाँचों के कारण हुई, तथा पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को और क्षति न पहुँचे इसकी व्यवस्था कर रही है कांग्रेस, विशेष सत्र की मांग करके।**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों- क्रोएशिया, नॉर्वे तथा नीदरलैंड की यात्रा पर जा रहे हैं। वे 13 मई को जायेंगे तथा 17 मई को स्वदेश लौटेंगे। इस सिलसिले में, मीडिया के बड़े वर्ग से कहा गया है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एन.सी.ई.आर.टी. एक बार फिर खबरों में छायी

एन.सी.ई.आर.टी. ने सातवीं कक्षा की पुस्तकों में काफी पाठ्यक्रम बदल दिये

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। एनसीईआरटी एक बार फिर खबरों में है। इस बार उसने कक्षा 7 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्य पुस्तक से मुगलों और दिल्ली सल्तनत से संबंधित अध्याय हटा दिये हैं तथा 2025-26 के शैक्षिक सत्र के लिये प्राचीन भारतीय राजवंशों, महाकुम्भ तथा पवित्र धार्मिक स्थानों से जुड़ी नई सामग्री जोड़ दी है।

इतिहास की पुरानी पुस्तकें, 7 वीं शताब्दी से शुरु होकर मुगलों तथा दिल्ली के सुल्तानों, जैसे मध्यकालीन शासकों को कवर करती थीं। इसके विपरीत, नई पुस्तकें तीसरी से छठी शताब्दी ईसा पूर्व के बीच की अवधि तथा गुप्त काल पर रुक जाती हैं। नये अध्यायों का जोर मौर्य

- **पुस्तक में वो "चैप्टर" हटा दिये गये, जो मुगल व दिल्ली के सुल्तानों को वर्णित करते थे।**
- **जो चैप्टर जोड़े गये हैं, वो शुंग, सातवाहन, चोल, पन्ड्या तथा चेरा राज्यों के बारे में जानकारी देते हैं।**

साम्राज्य, अशोक का शासनकाल तथा प्राचीन भारत के राजनैतिक परिदृश्य पर है, जिसमें शुंग, सालवाहन, चोल, पन्ड्या तथा चेरा शामिल हैं।

नई पुस्तक में "देश पवित्र कैसे बनता है" शीर्षक से एक अध्याय जोड़ा गया है, जिसमें विभिन्न धर्मों -हिन्दू, बौद्ध, इस्लाम, ईसाई, यहूदी, पारसी और सिक्ख- की कुछ पवित्र बातें बताई गई हैं। इस पाठ्य पुस्तक में कुम्भ मेला पर जोर दिया गया है तथा इस साल के मेले में 66 करोड़ तीर्थ यात्रियों की व्यापक भागीदारी का विशेष उल्लेख किया गया है।

आगामी शैक्षिक सत्र में, विद्यार्थी "एक्सप्लोरिंग सोसायटी- इंडिया एंड बियॉन्ड" नामक "कन्सॉलिडेटेड" पाठ्य पुस्तक से पढ़ेंगे। पाठ्य पुस्तक का दूसरा भाग इस साल के अन्त में जारी होने की उम्मीद है। यह अनिश्चित है कि प्रथम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीकेयू ने नरेश टिकैत का कड़ा विरोध किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। भारतीय किसान यूनियन, जो भारत का सबसे बड़ा किसान संगठन है, ने संगठन के अध्यक्ष राकेश टिकैत के भाई नरेश टिकैत के उस बयान की आलोचना की, जिसमें उन्होंने सिंधु जल संधि रद्द करने के लिए भारत

- **नरेश टिकैत भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के अध्यक्ष राकेश टिकैत के भाई हैं और उन्होंने सिंधु जल संधि रद्द करने के लिए भारत सरकार का विरोध किया था।**

सरकार की आलोचना की थी। संगठन ने कहा, यह जाँच की जानी चाहिए कि उन्होंने किसके इशारे पर यह बयान दिया है। संगठन के महासचिव मोहिनी मोहन मिश्रा ने कहा कि ऐसे बयान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘आप व्यर्थ के जोशीले, भड़काऊ भाषण देने से बाज आएं?’

नवाज़ शरीफ ने छोटे भाई, पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री को मशविरा दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। पहलगाम आतंकी हमलों के लिए पाकिस्तान के खिलाफ भारत की दंडात्मक कार्रवाई को लेकर चर्चाएं चरम पर हैं और कूटनीतिक खींचतान भी नए स्तर पर पहुँच गई है।

इसी बीच, नवाज़ शरीफ और शहबाज़ शरीफ-एक पूर्व प्रधानमंत्री और दूसरे वर्तमान प्रधानमंत्री, के बीच हुई बैठक भी कम महत्वपूर्ण नहीं है, क्योंकि बड़े भाई नवाज़ शरीफ ने शहबाज़ को भारत के खिलाफ अपनी बयानबाजी को कम करने की समझदारी भरी सलाह दी है।

नवाज़ शरीफ ने अपने भाई शहबाज़ को सतर्क रहने और बयानबाजी के सुर को काफी हद तक कम करने की सलाह दी है, ताकि भारत के लिए अत्यधिक आक्रामक कार्रवाई करना मुश्किल हो

- **नवाज़ शरीफ चाहते हैं, पाकिस्तान विनम्र, शांत व संयम वक्तव्यबाजी तक ही सीमित रहे, जिससे भारत को पाकिस्तान से पूरा युद्ध करने का बहाना न मिले।**
- **क्योंकि, पाकिस्तान अभी लम्बा युद्ध करने की स्थिति में नहीं है, न तो पाक की आर्थिक स्थिति इस रिस्क को उठाने के लिये तैयार है, न ही कोई ऐसा दोस्त है, जो पाकिस्तान की मदद के लिये उसके पक्ष में कूदे।**
- **लगभग यही स्थिति भारत की है, अमेरिका "टैरिफ युद्ध" में व्यस्त है और वह भारत-पाक युद्ध में पड़ने के बारे में ज्यादा उत्साही नहीं है। रूस जरुर भारत के पक्ष में कुछ बोल सकता है, पर, रूस भी यूक्रेन वॉर में इस तरह जकड़ा हुआ है कि खास मददगार साबित नहीं हो सकता।**

जाए। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने भी भारत के साथ एक चतुराई भरी रणनीति अपनाई है, यह कहते हुए कि भारत सैन्य रूप से पाकिस्तान में घुसपैठ करने की तैयारी में है।

एक असंभव स्थिति को संभालने के लिए हो रही चर्चाओं और प्रयासों के बीच, बाहरी ताकतें हमेशा की तरह भूमिका निभाने की कोशिश कर रही हैं। कुछ मुस्लिम देश इस टकराव को और अधिक उलझाने में लगे हुए हैं।

तुर्की ने इस टकराव में इस्लामी चेहरे के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। तुर्की ने अपने सैन्य विमान पाकिस्तान भेजे हैं और अपनी इस्लामी एकजुटता दिखाई है। हालांकि, तुर्की के पास इस दूरदराज के सैन्य मोर्चे पर प्रभाव डालने की सीमित क्षमता है। वह अपने सैन्य ठिकानों से इतनी दूर अपनी शक्ति का उपयोग करने की स्थिति में नहीं है, भले ही पाकिस्तान उसे हस्तक्षेप करने का मौका दे भी दे।

चीन भी इस टकराव में देर से ही सही, प्रवेश कर चुका है। हालांकि, उसने पाकिस्तान के पक्ष में खुलकर रुख नहीं अपनाया है, लेकिन उसने दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। फिर भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट प्रशासन से जवाब मांगा

जयपुर, 28 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने एडीजे भर्ती-2020 से जुड़े मामले में अदालती आदेश की पालना नहीं करने पर राजस्थान हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल और रजिस्ट्रार परीक्षा से जवाब तलब किया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की खंडपीठ ने ये आदेश नरेन्द्र मोहन व अन्य की एसएलपी पर सुनवाई करते

- **एडीजे भर्ती-2020 से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना नहीं करने पर रजिस्ट्रार जनरल तथा रजिस्ट्रार परीक्षा से सुप्रीम कोर्ट ने जवाब तलब किया।**

हुए दिए।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि एडीजे भर्ती-2020 की लिखित परीक्षा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 17 नवंबर, 2022 को हाईकोर्ट को कहा था कि वह मामले में विशेष बेंच बनाकर मामले की सुनवाई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश के स्वाभिमान को धक्का पहुँचा, तब मोदी बिहार में चुनावी भाषण दे रहे थे: खड़गे

कांग्रेस ने जयपुर संविधान बचाओ रैली के बाद आम सभा की

जयपुर, 28 अप्रैल। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जयपुर में संविधान बचाओ रैली को सम्बोधित किया और प्रधानमंत्री मोदी तथा भाजपा की कड़ी आलोचना की। खड़गे ने कहा, देश की बदकिस्मती है जब देश के स्वाभिमान को धक्का पहुंचा तब आप बिहार में चुनावी भाषण देने गए।

कांग्रेस ने सोमवार को जयपुर में संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया। रैली के बाद रामलीला मैदान में आयोजित सभा को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संबोधित किया तथा पहलगाम आतंकी हमले, संविधान, बेरोजगारी, मंहगाई, दलित पिछड़ा वर्ग पर अपना पक्ष रखा और नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा।

खड़गे ने कहा, "सर्वदलीय बैठक में सभी दलों के नेता आए, लेकिन दुख

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अपने संबोधन में कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता पूरी मेहनत और एकजुटता से काम करेगा तो साढ़े तीन साल बाद राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी।**

है कि पीएम मोदी उस बैठक में नहीं आए। बिहार दूर था क्या? सर्वदलीय बैठक में पीएम आते और योजना बताते। हमसे क्या मदद चाहिए।"

खड़गे ने पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर भी प्रधानमंत्री पर निशाना साधा और कहा, "आप (मोदी) 56 इंच की छाती की बात करते हो। अरे बाबा, कम से कम पहलगाम आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक में बैठते तो हमें पता लगता कि क्या करने वाले हैं? हम सब पार्टियों के लोग थे, लेकिन आपने उसमें नज़र आने की कोशिश नहीं कीं। ऐसा तो प्रधानमंत्री का एटीट्यूड है।"

खड़गे ने संविधान के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा, "अंबेडकर ने संविधान बनाया। उसी कारण एक मामूली चाय बेचने वाला आदमी पीएम बन सकता है। मेरे जैसा मिल मजदूर का बेटा देश के विपक्ष का नेता बन सकता है। संविधान रहा तो ही आप पीएम बनेंगे, गृह मंत्री बनेंगे।

उन्होंने कहा, आज जितनी भी बड़ी स्कीम हैं, वो सब कांग्रेस की देन हैं। मोदी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जयपुर में संविधान बचाओ रैली को सम्बोधित किया। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे पर प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। इस अवसर पर पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी रैली को संबोधित किया।

ने क्या दिया? मोदी ने महंगाई और बेरोजगारी दी है। मोदी 56 इंच की बात करते थे। अब मोदी की 56 इंच की छाती सिकुड़ गई है। हमारा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली मंदिर गया। उस मंदिर को इनके मूंछों वाले एक नेता ने गंगाजल से धुलवाया। तब हिंदू एकता की बात कहां गई?

खड़गे ने कहा, मोदी के 12 झूठ हैं? काला धन वापस लाने, हर खाते में 15 लाख डालने, हर साल 2 करोड़ नौकरी, पेट्रोल-डीजल सस्ता, गंगा को साफ, हर भारतीय को घर, किसानों को एमएसपी, महंगाई खत्म करने जैसे उनके सभी वादे झूठे हैं।

एआईसीसी महासचिव, पूर्व उप मुख्यमंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट ने भी सभा को संबोधित किया और कहा कि देश में चुनाव आयोग कमजोर हो गया है। महाराष्ट्र में वोटर्स से ज्यादा वोट पड़े, इसे क्या कहा जाएगा? चुनाव आयोग क्या कर रहा था? आज संविधान पर हर तरफ से हमले किए जा रहे हैं। भाजपा, संविधान के प्रावधानों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)